प्रेस विज्ञप्ति

फ्यूचर एनर्जी एशिया 2023: इरेडा के सीएमडी ने दक्षता वृद्धि के लिए स्थानीयता के आधार पर बिजली उत्पादन की वकालत की

बैंकॉक, थाईलैंड, 17 मई 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज बैंकाक, थाईलैंड में प्रतिष्ठित "फ्यूचर एनर्जी एशिया 2023 प्रदर्शनी और शिखर सम्मेलन" में एक पैनल चर्चा में अपने विचार व्यक्त किए। यह पैनल चर्चा "ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने और आपूर्ति श्रृंखला को जटिलता का प्रबंधन करने के लिए क्षेत्रीय भागीदारी के महत्व" पर केंद्रित था ।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने केवल एक विकल्प या प्राथमिकता के बजाय एक आवश्यकता के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्ता पर ज़ोर दिया। उन्होंने पारंपरिक जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से ऊर्जा के उत्पादन और उपयोग से जुड़े व्यापक हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों की ओर एक आदर्श बदलाव का आग्रह किया।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) वित्तपोषित करने वाली सबसे बड़ी समर्पित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) के रूप में, इरेडा ने भारत में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री दास ने आरई क्षेत्र के विकास

को प्रोत्साहित करने के लिए समग्र, सहयोगी और एकजुट तरीके से एक साथ काम करने वाले हितधारकों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के सफल निष्पादन और संचालन के लिए तकनीकी प्रगति और अभिनव वित्तपोषण प्रणाली दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने यथासंभव स्थानीय उपयोग के लिए स्थानीय स्तर पर बिजली उत्पादन करने, ट्रांसमिशन क्षतियों को कम करने और समग्र दक्षता में वृद्धि करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

श्री दास ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की भूमिका और अक्षय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में एक क्षेत्रीय संतुलन हासिल करने के लिए भारत के योगदान पर भी चर्चा की। आईएसए का मिशन वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश को अनलॉक करना है तथा इसके संबंध में प्रौद्योगिकी और इसके वित्तपोषण की लागत को भी कम करना है। वर्ष 2018 में पहली बार स्थापित होने पर 61 सदस्यता देशों की तुलना में 114 सदस्य देशों के साथ गठबंधन होकर इसकी संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

भारत सक्रिय रूप से भूटान, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे अन्य एशियाई देशों के साथ ऊर्जा के लेन-देन पर चर्चा कर रहा है, जिसमें अक्षय ऊर्जा विकास को आगे बढ़ाने और पूरे महाद्वीप में उपलब्ध संसाधनों और ऊर्जा खपत के अधिकतम उपयोग के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना शामिल है। आरई क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति विश्व औसत विकास दर को पार कर गई है, और इस उपलब्धि में इरेडा का प्रमुख योगदान रहा है।

इस पैनल चर्चा में जेंटारी के सीईओ, श्री सुशील पुरोहित; एबीबी में ऊर्जा समाधान के उपाध्यक्ष, श्री विनेश कृष्णन; इन्नोपावर के सीईओ,श्री अथिप टैंटीवोरावोंग; तेल और गैस जलवायु पहल के उपाध्यक्ष, श्री जूलियन पेरेज़; और एस & पी ग्लोबल में एशिया पैसिफिक के प्रमुख श्री निर्मल शनि भी शामिल हुए ।